



एवं

इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर
कृषि मौसम सलाह सेवाएँ

(Project sponsored by IMD, MoES, New Delhi)



0771-2442557

Patron: Dr. S.K. Patil, Vice Chancellor
Nodal Officer: Shri J.L. Chaudhary

Director of Research Services: Dr. S.S. Rao

Prof. & Head(Agromet): Dr. G.K. Das
Research Associate: Sanjay Bhelawe

Advisory Committee: Agrometeorology- Dr. Harsh Vardhan Puranik, Entomology-Dr. Sanjay Sharma,
Horticulture-Dr. G.L. Sharma; Dr. G.D. Sahu Plant Pathology- Dr. N. Lakpale, Dr. H.K. Singh, Veg. Science-Dr. Dhananjay Sharma,
Agronomy - Dr. H.L. Sonboir, Animal Science - Dr. (smt.) N. Kerketta, FMP - Er. S.V. Jodand, SWE-Er. V.M. Victor

वर्ष: 27, क्रमांक: 74

दिनांक 18.09.2018

विगत सप्ताह का मौसम:- लभांडी स्थित कृषि मौसम वेधशाला में दर्ज आंकड़ों के अनुसार विगत पाँच दिनों के दौरान 0.0 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है जो की सामान्य की तुलना में कम है, जून माह से अब तक 1071.3 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है जो की सामान्य की तुलना में अधिक है। सूर्य की तीव्र रोशनी की अवधि 0.5 से 9.2 घंटे के बीच दर्ज की गई। इस दौरान औसतन अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.7 डि.से. (सामान्य से अधिक) तथा 24.9 डि.से. (सामान्य से अधिक) दर्ज किया गया है। इस दौरान हवा की औसत गति व वाष्पीकरण दर क्रमशः 2.5 कि.मी. प्रति घंटा व 4.0 मि.मी. प्रति दिन थी। प्रातः कालीन औसत आर्द्रता व मृदा का तापमान क्रमशः 91% व 26.2 डि.से. दर्ज की गई जबकि यह दोपहर में यह क्रमशः 58% व 36.2 डि.से. दर्ज की गई।

मौसमपूर्वानुमान:- भारत मौसम विज्ञान विभाग रायपुर द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार छत्तीसगढ़ के अधिकांश क्षेत्रों में हल्के बादल छाए रहने के साथ-साथ अधिकांश स्थानों में हल्की बौछारें पड़ने की संभावना है। इस दौरान हवा में 90-95 प्रतिशत नमी होने की संभावना है। मैदानी क्षेत्रों में अधिकतम तापमान लगभग 28 से 32°C एवं न्यूनतम तापमान 21 से 25°C के बीच दर्ज किए जाने की संभावना है। आने वाले दिनों में हवा विभिन्न दिशाओं से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग 5-8 किलो मीटर/घंटा रहने की संभावना है।

क्षेत्राच्छादन:- संचालनालय कृषि, छत्तीसगढ़ रायपुर से प्राप्त साप्ताहिक प्रतिवेदन खरीफ 2018 दिनांक 17/09/2018 के अनुसार प्रदेश में खरीफ फसलों की लगभग 99% बोवाई का कार्य हो चुका है। जिसका फसलवार विवरण निम्नानुसार है।

अनाज	क्षेत्रफल (000 हे.)	दलहनी	क्षेत्रफल (000 हे.)	तिलहनी	क्षेत्रफल (000 हे.)	अन्य	क्षेत्रफल (000 हे.)
धान बोता	2501.9	अरहर	135.0	मूँगफली	59.7	रेशेदार एवं अन्य फसलें	141.17
धान	3754.18	मूँग	25.25	तिल	33.63		
मक्का	226.99	उड़द	148.78	सोयाबीन	114.54		
ज्वार	57.37	कुल्थी	17.13	रामतिल	42.48		
				सूरजमुखी	0.45		
योग अनाज	4038.54 (101%)	योग दलहन	327.14 (81%)	योग तिलहनी	250.28 (83%)	महायोग	4757.13 (99%)

मौसम आधारित कृषि सलाह

सामान्य

1. धान की फसल में माहू एवं तनाछेदक कीटों के लिए खेत में फसल की सतत निगरानी करें।
2. पीला तना छेदक के वयस्क कीट खेतों में दिखाई देने पर अंड समूह समेत पत्ती को अलग कर नष्ट करें। जहाँ पर डेड हार्ट बना हैं उसे खींचकर अलग कर दें ताकि अंदर उपस्थित इल्ली परजीवीकृत होकर नष्ट हो जायें।
3. धान में तना छेदक कीट की निगरानी के लिए फिरोमेन ट्रेप 2-3 प्रति एकड़ का उपयोग करें एवं प्रकोप पाये जाने पर 8-10 फिरोमेन ट्रेप का उपयोग नियंत्रण के लिए करें।
4. भूरा माहो के नियमित प्रकोप वाले स्थानों पर फोरेट का इस्तेमाल न करें। कीट प्रकोप की तीव्रता होने पर इमिडाक्लोफ्रिड 125 मि.ली. या इथिप्रोल + इमिडाक्लोफ्रिड 150 मि. ली. दवा का उपयोग करें।
5. धान की फसल में झुलसा रोग के लक्षण नाव आकार के धब्बे के रूप में दिखते ही ट्राइसाईक्लोजोल 0.6 ग्रा./ली. पानी का छिड़काव करना चाहिए।
6. दलहनी तिलहनी फसलों में निंदा नियंत्रण करना लाभदायक होगा।

फल एवं सब्जी

1. भटा-मिर्च टमाटर में टपक सिंचाई विधि से उर्वरक जैसे 19:19:19 का निर्धारण कर फ्रटीगेट करें।
2. गोभीवर्गीय सब्जियों के साथ साथ शलजम-गाजर हेतु उपयुक्त किस्म का चयन कर थरहा एवं बीज बोनी करें।
3. अनार, अंजीर की कटिंग कर प्रवर्धन करने का यह उपयुक्त समय हैं।
4. कद्दूवर्गीय सब्जियों विशेषकर परवल में फल सडन एवं सूखने की समस्या से बचाव हेतु खेतों में सफाई का ध्यान रखें और मेटालेक्सील + मॅन्कोजेब को 2.5 ग्राम प्रति लीटर या कापर आक्सिक्लोराइड (COC) 4 ग्राम प्रति लीटर की हिसाब से छिड़काव करें।
5. पपीते में फल झडन को रोकने हेतु 20 पी.पी.एम की दर से नैफथलिन एसीटीक एसीड (एन.ए.ए.) का छिड़काव करें।
6. साग-सब्जी फसलों में जमीन में नमी कम होती जा रही हैं, इसलिए किसान भाइयों को गुड़ाई करने की सलाह दी जाती हैं

पशुपालन

1. पशुबाड़े एवं मुर्गीघरों में दिन के समय पंखा चलाकर रखें ताकि सीलनयुक्त हवा बाहर निकलती रहे एवं उमस वाला वातावरण न हो।
2. अधिक संख्या में पशु बाड़े में न रखें। प्रत्येक पशु के लिए समुचित जगह की व्यवस्था रखें एवं हवादार बाड़े बनायें।
3. सितम्बर माह में बकरियों भेड़ों को एंटोरोटोक्सीमिया नामक बीमारी का टीका अवश्य लगवा लें। बढते मेमनों को 6-10 सप्ताह की उम्र में इस बीमारी का टीका लगवाये।
4. मुर्गीघर में मुर्गियों के लिये समुचित जगह (ब्रायलर - 1 वर्ग फीट /मुर्गी एवं अंडा देने वाली मुर्गी 2 से 2.5 वर्ग फीट / मुर्गी) कि व्यवस्था करे ।

आर. के .चंद्रवंशी
संयुक्त संचालक कृषि,
संचालनालय कृषि
छत्तीसगढ़ शासन, रायपुर(छ.ग)

जे.एल.चौधरी
नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

डॉ.जी.के.दास
विभागाध्यक्ष
कृषि मौसम विज्ञान विभाग,
इ.गा.कृ.वि.वि रायपुर(छ.ग)